आज
हिन्दी दैनिक
संस्थापक- ज्ञानमण्डल लि.

बांदा सिटी

कानपुर, 10 दिसम्बर, 2019

राजस्थान से मुक्त हुए 32 बाल एवं बंधुआ मजदूर

बंधुआ मुक्ति मोर्चा की पहल से मिली सफलता

(आज समाचार सेवा)

बांदा, 9 दिसम्बर। राजस्थान के श्रीगंगा नगर जनपद अंतर्गत चुनावड़ से बांदा के ३२ बाल एवं बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराया गया है। बंधुआ मुक्ति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष की पहल से मजदूरों को मुक्त कराने में सफलता मिली है।

चुनावड़ में एक ईंट भटठे पर बांदा के ३२ बाल एवं बंधुआ मजदूरों से काम कराया जा रहा था। इन्हीं में शामिल शिवकुमार द्वारा किसी के माध्यम से बंधुआ मुक्ति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दलासिंगार से संपर्क किया और बंधुआ मजदूरी की समस्या बतायी। साथ ही मुक्ति पाने के लिये लिखित पत्र भी दिया। मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि जानकारी प्राप्त करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने बंधुआ मजदूरी प्रथा (उन्मूलन) अधिनियम १९७६, इंटर स्टेट माइग्रेट वर्क्समैन एक्ट तथा किशोर न्याय अधिनियम, अनुसूचित जाति अधिनियम आदि धाराओं के तहत कानूनी कार्यवाही के लिये पिछले महीने गंगा नगर के जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा उपखण्ड अधिकारी को पत्र लिखा। २ दिसम्बर को जिला प्रशासन की टीम ने बंधुआ मजदूरो को मुक्त कराने के लिये श्रीगंगा नगर जिले चुनावड़ के ईंट भटठा पर पहुंचे। प्रदेश अध्यक्ष ने भेजे गये पत्र में कहा कि मजदूरों के आधे-अधूरे बयान लेकर उन्हें महज ५००-५०० रुपये दिलवाकर भेज दिया गया है। सभी मुक्त हुये बाल एवं बंधुआ मजदूर भूखे-प्यासे बांदा के बबेरु पहुंचे। प्रदेश अध्यक्ष ने बांदा जिलाधिकारी एवं श्रम अधिकारी से संज्ञान लेते हुये कार्यवाही की मांग की है।

ईंट भट्ठे पर बैठे बंधुआ मजदूर। छाया:आज

युवक झुलसा

बांदा, 9 दिसम्बर। हमीरपुर जिले के कुलानी गांव निवासी गोविंद (२५) पुत्र मंगल सिंह संदिग्ध परिस्थितियों के बीच रविवार की रात आग से झुलसकर घायल हो गया। परिजनों ने इसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

राजस्थान के श्रीगंगा नगर से 32 बाल व बंधक मजदूर छूटे

जागरण संवाददाता, बांदा : जनपद से काम के बहाने राजस्थान में ले जाए गए 32 बाल व बंधक मजदूरों को ईंट-भट्ठे में बंधक बना लिया गया। राजस्थान के जिला प्रशासन ने ईंट-भट्ठे पर छापामार कर सभी को मुक्त कराया। शुक्रवार को सभी अपने घर पहुंचे तो स्वजनों में खुशी की लहर दौड़ गई।

ओमकार फौजी नामक ठेकेदार बबेरू व बिसंडा क्षेत्र से काम का प्रलोभन देकर छह माह पहले 32 बाल श्रमिकों अपने साथ राजस्थान ले गया। श्रमिक ठेकेदार के साथ कैथल पहुंचे। इसके बाद सभी को जिला श्रीगंगा नगर के चुनावड़ (राजस्थान) में ईंट पथाई के कार्य में लगा दिया गया। वहां मजदूरों से महज खुराकी देकर कार्य लिया जा रहा था। पिछले दिनों मजदूर शिवकुमार ने बंधुआ मुक्ति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दलसिंगार को इसकी जानकारी दी। इस पर उन्होंने ईंट-भट्ठा मालिक के खिलाफ कार्रवाई के लिए 27 नवंबर

बबेरू में आपबीती बताती बाएं से दाएं संपत, राधा व पीछे बच्चे को गोद में लिए बैठे अज्ञदाय राजा • जागरण

को जिला कलेक्टर श्रीगंगानगर व एसपी को पत्र लिखा। दो दिसंबर को श्रीगंगानगर के जिला प्रशासन की टीम ने बंधुआ मजदूरों को मुक्त

> छूटकर आए बंधक मजदूरों के प्रवासन की प्रक्रिया की जाएगी। जो अद्यमुक्त प्रमाण पत्र दिखाएंगे और पुनर्वासन पैकेज वहां से नहीं मिला होगा तो यहां तत्काल दिया जाएगा। श्रम विभाग उनकी हर संभव मदद करेगा। योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा।
>
> महेंद्र कुमार शुक्ला, श्रम प्रवर्तन अधिकारी

कराने के लिए चुनावड़ के रामदेव ईंट भट्ठे पर छापा मारा। जहां से सभी को मुक्त कराकर बांदा भेज दिया गया। शुक्रवार को सभी 32 बाल व बंधक मजदूर अपने गांव पहुंचे। जहां अपनों को सामने देखकर स्वजनों में खुशी की लहर दौड़ गई।

ये मजदूर हुए बंधुआ से मुक्त :बिसंडा थाने के अमवां ग्राम निवासी अनुसूचित जाति के रामपाल व उसकी पत्नी रानी, पुत्री राधा, पुत्र मनी व शिवा, मिरचू, उसका पुत्र ललता व कल्लू, पुत्री संध्या, रामलाल, उसकी पत्नी मंजू, पुत्री आरती, अनुज व उसकी पत्नी कोमल, पुत्र प्रांशु, बाबादीन व उसकी पत्नी संगीता, पुत्री राखी तथा बबेरू के देविन नगर (मढ़ी दाई मंदिर) निवासी राजा, संपत पत्नी रामचंद्र, उसका पुत्र अजय संपत की बहू राधा अजय का पुत्र टूकू व करन और शिवअवतार, उसकी पत्नी सुनीता, पुत्र शीलू, कल्लू, उसकी पत्नी आशा पुत्र रोहित, पुत्री संध्या निवासीगण ग्राम राजापुर अमिलिहा, थाना तिंदवारी शामिल हैं।

epaper
हिन्दुस्तान
बांदा
हिन्दुस्तान 02
10 दिसंबर 2019

32 मजदूरों को राजस्थान के भट्ठे से कराया मुक्त

बांदा | कार्यालय संवाददाता

रोजगार का झांसा देकर गरीब मजदूरों को राजस्थान के एक ईट भट्टे में जिले के 32 मजदूरों को एक व्यक्ति मजदूरी के लिए रख आया। मजदूरों का यह ठेकेदार(जमादार) भट्ठा मालिक से खुद का कमीशन लेकर भूमिगत हो गया। कई महीनें बीत गए पर इन मजूदरों को मजदूरी नहीं मिली। इसकी जानकारी बंधुआ मुक्ति मोर्चा को जानकारी मिली तो वहां प्रशासन से संपर्क कर सभी को मुक्त कराया।

बंधुआ मुक्ति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दलसिंगार ने बताया कि उनके पास बांदा जिले के ग्रामीण शिवकुमार ने उन्हें फोन पर बताया कि राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के चुनावड़ के एक ईट भट्ठे में 32 मजदूरों को बंधुवा बनाकर रखा गया है। इस पर उन्होने वहां के प्रशासन से संपर्क किया। पांच दिन पहले वहां तहसीलदार स्तर के अफसर पहुंचे और मजदूरों को कुछ मजदूरी दिलवाकर मुक्त करवा दिया।

बताया कि सभी 32 मजदूर वापस अपने घरों को पहुंच गए है। ये छह माह से वहां बंधक की तरह रह रहे थे। ये जिले के गांव अमवां, बबेरू व राजापुर के रहने वाले है। वहां भट्ठे में मजदूरों को सिर्फ भोजन खर्च देकर काम कराया गया। मजदूरी मांगने पर सभी को धमकाया जाता था। उन्होने प्रशासन से इस प्रकरण में कार्रवाई की मांग की है।